सांध्य दैनिक 4PM

धन, शक्ति और दक्षता केवल जीवन के साधन हैं खुद जीवन नहीं।
-डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 263 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 4 नवम्बर, 2022

सीएम नीतीश ने साधा मोदी सरकार पर... 7 | तेज प्रताप को मैनपुरी लोक... 3 | तीमारदारों से मारपीट करने... 2

कम से कम रामनगरी को तो बख्श दें जितिन प्रसाद जी !

» अयोध्या में विकास के नाम पर लूट-खसोट जारी, विपक्ष हमलावर

» पंचकोसी परिक्रमा में पीडब्ल्यूडी का खेल परिक्रमा के बाद कराएगा मरम्मत

» जारी की लाखों की ई-निविदा, पहले भी पीडब्ल्यूडी मंत्री रहे हैं आरोपों के घेरे में

चेतन गुप्ता

अयोध्या। राम मंदिर मुद्दे पर केंद्र और यूपी की सत्ता हासिल करने वाली भाजपा के राज में रामनगरी अयोध्या में विकास के नाम पर जमकर लूट हो रही है। पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद का अब तक का कार्यकाल विवादित और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा रहा है। दिल्ली दरबार के आशीर्वाद से योगी मंत्रिमंडल में टिके जितिन प्रसाद पर लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। ताजा मामला अयोध्या से जुड़ा है जहां पंचकोसी परिक्रमा कल से शुरू हुई और कल ही लोक निर्माण विभाग ने पंचकोसी परिक्रमा मार्ग की सामान्य मरम्मत व नवीनीकरण के लिए 90 लाख और कंदेला संपर्क मार्ग की विशेष मरम्मत के लिए 40लाख 50 हजार की ई-निविदा जारी कर दी। पंचकोसी परिक्रमा मार्ग दो माह और कंदेला संपर्क मार्ग एक माह में दुरुस्त होगा। ई-टेंडर 5 से 14 नवंबर तक डाले जाएंगे। उसी दिन इसे खोलकर टेंडर जारी कर दिए जाएंगे। सवाल यह है कि जब परिक्रमा शुरू होनी थी तो पहले परिक्रमा व अन्य संपर्क मार्गों को दुरुस्त क्यों नहीं किया गया?

विपक्ष ने इस मामले को लेकर योगी सरकार को घेरते हुए मंत्री जितिन प्रसाद पर गंभीर आरोप लगाए और उनकी बर्खास्तगी की मांग की।

योगी मंत्रिमंडल में शामिल तमाम चेहरों की बात करें तो वे खुद मानते हैं कि कांग्रेस से आयातित नेता के रूप में जितिन प्रसाद ने जब से भाजपा ज्वॉइन की और मंत्रिमंडल में शामिल हुए, वे लगातार विवादों में रहे हैं। यहां तक कि अंदर खाने इस बात की चर्चा रहती है कि भाजपा की इन सबको लेकर फजीहत हो रही है। गौरतलब है कि रामनगरी अयोध्या की पंचकोसी परिक्रमा कल से शुरू हो गई है, जिसमें लगभग 30 लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने का अनुमान है।

प्रशासन परिक्रमा मार्ग को दुरुस्त करने के दावे कर रहा है वहीं परिक्रमा के दिन ही कार्यालय अधिशाषी अभियंता अयोध्या अंबेडकरनगर वृत्त लोक निर्माण अयोध्या द्वारा एक प्रमुख समाचार पत्र में कल की तिथि में प्रकाशित पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के सामान्य मरम्मत का ई-टेंडर आमंत्रित किया जाना बड़े सवाल खड़े करता है। सवाल यह है कि क्या जिस मार्ग पर परिक्रमा हो रही है उसकी सामान्य मरम्मत होना शेष है? क्या बगैर सामान्य मरम्मत के उस परिक्रमा मार्ग पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु परिक्रमा कर रहे हैं? और यदि परिक्रमा मार्ग दुरुस्त होने का दावा ठीक है तो इस सामान्य मरम्मत के टेंडर की जरूरत क्यों पड़ी जिसे ठीक परिक्रमा के दिन निकालना पड़ा? इसका जवाब देने वाला कोई नहीं है। हालांकि प्रकाशित टेंडर में तिथि 25 अक्टूबर 2022 की है और ई-टेंडर 5 से 14 नवंबर तक आमंत्रित किये गए हैं जोकि उसी दिन शाम साढ़े तीन बजे खोला जाएगा। परिक्रमा मार्ग की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए विभाग ने दो महीने का समय दिया है। सवाल यह है कि जब पता था कि परिक्रमा होनी है और यहां मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री और प्रधानमंत्री तक आये तो मार्ग दो महीने पहले क्यों नहीं दुरुस्त किया गया।

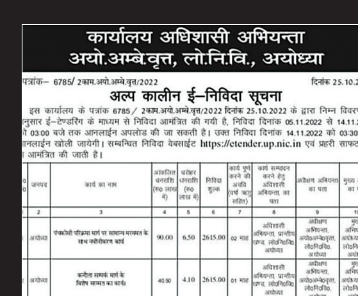

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
अयो.अम्बे.वृत्त, लो.नि.वि., अयोध्या

पत्रांक– 6785/ 2काम.अयो.अम्बे.वृत्त/2022 दिनांक 25.10.2022

अल्प कालीन ई–निविदा सूचना

इस कार्यालय के पत्रांक 6785 / 2काम.अयो.अम्बे.वृत्त/2022 दिनांक 25.10.2022 के द्वारा निम्न विवरण के अनुसार ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की गयी है, निविदा दिनांक 05.11.2022 से 14.11.2022 को 03:00 बजे तक आनलाईन अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा दिनांक 14.11.2022 को 03:30 बजे आनलाईन खोली जायेगी। सम्बन्धित निविदा वेबसाईट https://etender.up.nic.in एवं प्रहरी साफ्टवेयर [illegible] आमंत्रित की जाती है।

क्र०सं०	जनपद	कार्य का नाम	आकलित धनराशि (रु० लाख में)	धरोहर धनराशि (रु० लाख में)	निविदा शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	कार्य सम्पादन करने हेतु अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभि० का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	अयोध्या	पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण कार्य	90.00	6.50	2615.00	02 माह	अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, अयोध्या	अधीक्षण अभियन्ता, अयो०अम्बे०वृत्त, लो०नि०वि०, अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र, लो०नि०वि०, अयोध्या
2	अयोध्या	कन्देला सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	40.50	4.10	2615.00	01 माह	अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, अयोध्या	अधीक्षण अभियन्ता, अयो०अम्बे०वृत्त, लो०नि०वि०, अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र, लो०नि०वि०, अयोध्या

सवाल का जवाब देने से कतराए अधीक्षण अभियंता

पीडब्ल्यूडी अयोध्या के अधीक्षण अभियंता हरीश चंद्र त्रिवेदी से जब 4पीएम संवाददाता ने इस विवादित ई-टेंडर के बारे में जानकारी की तो उन्होंने हड़बड़ी भरे अंदाज में कहा कि यह सामान्य मरम्मत का नहीं नवीनीकरण का काम है, जो रूटीन में हर 5 साल में कराया जाता है। जब उनसे पूछा गया कि जो निविदा सूचना जारी की गई है उसमें तो सामान्य मरम्मत भी दर्शाया गया है जिसको लेकर सवाल उठ रहे हैं तो उन्होंने तुरंत फोन काट दिया।

विपक्ष ने साधा निशाना

“ जब से केंद्र व प्रदेश में भाजपा की सरकार आयी है, पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार की गंगा बह रही है। अधिकारी, नेता, मंत्री सभी बहती गंगा में हाथ धो रहे हैं। जनता त्राहिमाम कर रही है। पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद को बर्खास्त कर देना चाहिए।

-गंगा सिंह यादव, निवर्तमान जिलाध्यक्ष, सपा

“ परिक्रमा खत्म होने के बाद टेंडर निकाला जाना भ्रष्टाचार का नमूना है। जब परिक्रमा शुरू हो गई है ऐसे में टेंडर निकलने का मतलब क्या है?

-सभाजीत सिंह, प्रदेश अध्यक्ष, आप

“ ये अयोध्या के विकास की योजनाएं हैं। इसे मुद्दा बनाया जाना ओछी मानसिकता का परिचायक है। विभाग अगले परिक्रमा की तैयारी कर रहा होगा इसलिए टेंडर निकाला गया होगा। अयोध्या का विकास केंद्र और प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में शामिल है इसलिए लगातार काम हो रहा है।

-संजीव सिंह, जिलाध्यक्ष, भाजपा

पश्चिम बंगाल और झारखंड में ईडी व आयकर की छापेमारी

» सेना की जमीन पर कब्जे और आयकर का मामला

» दो कांग्रेस विधायकों के यहां भी टीम ने दी दबिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सेना की जमीन पर अवैध कब्जे और आयकर के मामले में आज ईडी ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में छापेमारी की। इसमें कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल समेत अन्य लोगों के घर और दफ्तर शामिल हैं।

जांच एजेंसी अग्रवाल से जुड़े परिसरों समेत रांची और उसके आसपास के इलाकों में करीब आठ जगहों और कोलकाता में चार जगहों पर छापेमारी की। झारखंड में दो कांग्रेस विधायकों जयमंगल सिंह और प्रदीप यादव के घर और उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) और आयकर विभाग ने एक साथ कार्रवाई की।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा प्रदूषण का मामला केजरीवाल बोले, केंद्र सरकार संभाले

» दस नवंबर को होगी सुनवाई दिल्ली में स्कूल बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली और एनसीआर में खतरनाक स्तर पर पहुंच चुके वायु प्रदूषण का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले में कोर्ट ने दस नवंबर को सुनवाई की तारीख तय की है। वहीं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि यह सिर्फ राजधानी की नहीं बल्कि पूरे उत्तर भारत की समस्या है। उन्होंने पीएम मोदी से अपील की है कि वे आगे आकर इस पर ठोस कदम उठाएं।

प्रदूषण के मसले पर आज सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर हुई है। कोर्ट ने इस याचिका को स्वीकार भी कर लिया है। याचिका पर सुनवाई के लिए 10 नवंबर की तारीख तय की है। वहीं केजरीवाल ने कहा कि केंद्र को आगे आकर कदम उठाने होंगे ताकि पूरे उत्तर भारत को प्रदूषण से बचाया जा सके। साथ ही ऐलान किया है कि 5 नवंबर से प्राइमरी स्कूल बंद रहेंगे।

तीमारदारों से मारपीट करने वाले जूनियर डॉक्टरों की डिग्री होगी निरस्त : पाठक

» डिप्टी सीएम ने लापरवाही बरतने वालों पर कड़ा रूख अख्तियार किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक स्वास्थ्य विभाग को लेकर सजग है। प्रयागराज में स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में बीते 27 अक्टूबर को जूनियर डॉक्टरों द्वारा तीमारदारों की पिटाई के मामले में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस प्रकार की घटना दोबारा हुई तो आरोपी जूनियर डॉक्टरों की पढ़ाई बीच में ही निरस्त कर दी जाएगी।

कहा कि तीमारदार अपने मरीज को लेकर इलाज के लिए अस्पताल आते हैं। ऐसे में उनके साथ मानवता दिखाते हुए अच्छा व्यवहार करना चाहिए। डिप्टी सीएम ने कहा कि अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों से दुर्व्यवहार और मारपीट किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एसआरएन में हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि पहले के समय में विभागाध्यक्ष और प्रॉक्टर पर छात्रों को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी होती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं दिख रहा है। 27 अक्टूबर की घटना इस बात को पूरी तरह से साबित कर रही है। उन्होंने एमएलएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसपी सिंह को निर्देश दिया कि आगे से प्रॉक्टर और विभागाध्यक्ष की जवाबदेही निर्धारित की जाए। प्रॉक्टर और विभागाध्यक्ष कॉलेज परिसर में घूमकर जूनियर डॉक्टरों के कार्यों और व्यवहार का मूल्यांकन करें।

हाईकोर्ट ने पूछा, डेंगू से बचाव के लिए क्या किया

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में दवाओं की किल्लत समेत चिकित्सा सुविधाओं की कमी के मामले में सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने राज्य सरकार समेत लखनऊ के सीएमओ और नगर निगम से पूछा है कि डेंगू से बचाव और बुखार पर नियंत्रण के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और क्या उठाए जाने हैं? न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की खंडपीठ ने यह आदेश एक जनहित याचिका पर दिया। याचिका में डेंगू की रोकथाम समेत सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं का मुद्दा उठाया गया है। साथ ही उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के निरीक्षण में मिली करोड़ों की एक्सपायर्ड दवाओं के उठाए गए मुद्दे पर राज्य सरकार से पूछा कि प्रदेश के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में दवाओं के इस्तेमाल, खरीद और प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा है? हाईकोर्ट ने अन्य मच्छरजनित बीमारियों जैसे चिकनगुनिया व वायरल आदि की रोकथाम को उठाए जाने वाले कदमों व अस्पतालों में अतिरिक्त बेड की जानकारी भी संबंधित विभागों से मांगी है। इसके अलावा केंद्र के वकीलों को केंद्र सरकार की स्वास्थ्य सेवा व लखनऊ के रेलवे अस्पताल प्रबंधन के सर्वोच्च अफसर से इन बीमारियों से पीड़ितों के इलाज के उपायों की जानकारी शुक्रवार को पेश करने को कहा।

निक्षय मित्र पंजीकरण में देश का पहला राज्य बना उत्तराखंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में सबसे अधिक निक्षय मित्रों का पंजीकरण कर उत्तराखंड ने देश में पहला स्थान पाया है। प्रदेश के तीन जिलों में शत प्रतिशत निक्षय मित्रों को रोगी की देखभाल व उपचार के लिए लिंकेज किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने निक्षय मित्र पंजीकरण में उत्तराखंड के प्रयासों को सराहा है।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने टीबी उन्मूलन में आर्थिक रूप से सक्षम लोगों से निक्षय मित्र बन कर सहयोग का आह्वान किया। टीबी मरीजों की औसत संख्या के आधार पर उत्तराखंड देश भर में सर्वाधिक निक्षय मित्र पंजीकरण करने वाला राज्य बना है। निक्षय मित्र के रूप में निर्वाचित प्रतिनिधि, राजनीतिक दल, गैर सरकार संगठन, कारपोरेट संस्थानों समेत कोई भी व्यक्ति पंजीकरण कर सकता है। निक्षय मित्र के रूप में प्रत्येक व्यक्ति एक या एक से अधिक टीबी रोगियों को कम से कम एक वर्ष तक गोद लेकर उपचार में सहयोग करेगा। निक्षय मित्र केंद्र सरकार सुझाए फूड बास्केट प्रत्येक माह रोगी को उपलब्ध कराएगा। जिसकी अनुमानित लागत एक हजार रुपये है।

उपचुनाव में ईवीएम खराब होने पर भाजपा को घेरा

» गोला गोकर्णनाथ सीट पर 57.35 प्रतिशत मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा विधायक अरविंद गिरि के निधन से रिक्त हुई लखीमपुर खीरी की गोला गोकर्णनाथ विधानसभा सीट पर गुरुवार को हुए विधानसभा उपचुनाव में 57.35 फीसदी मतदान हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच यहां शाम साढ़े छह बजे तक 57.35 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। छिटपुट घटनाओं को छोड़ कोई बड़ी घटना इस चुनाव में नहीं हुई। इस सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा व सपा के बीच है।

भाजपा ने अरविन्द गिरि के बेटे अमन गिरि व सपा ने पूर्व विधायक विनय तिवारी को मैदान में उतारा है। कांग्रेस व बसपा ने यहां से अपने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। गोलागोकर्णनाथ विधानसभा सीट पर छिटपुट घटनाओं को छोड़ कोई बड़ी घटना इस चुनाव में नहीं हुई। गोला विधानसभा सीट के 222 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ। यहां कुल तीन लाख 91 हजार 426 मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करना था। जिसमें शाम साढ़े छह बजे तक 224482 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। इस उपचुनाव में कुल छह प्रत्याशी मैदान में थे, जिसमें मुख्य मुकाबला भाजपा के दिवंगत विधायक अरविंद गिरि के बेटे व भाजपा उम्मीदवार अमन गिरि व सपा के पूर्व विधायक व प्रत्याशी विनय तिवारी के बीच देखने को मिला। वहीं लखीमपुर के अलीगंज में उच्च प्राथमिक विद्यालय पोलिंग बूथ पहुंची आईजी लक्ष्मी सिंह ने निरीक्षण किया। उधर देवकली के बूथ संख्या 316 पर ईवीएम खराब होने से मतदान बाधित हुआ। इसके अलावा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय हीरा नगर के बूथ संख्या 401, 402 व प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर के बूथ संख्या 420, 421,422 पर ईवीएम खराब होने से मतदान बाधित हुआ।

भूपेंद्र सिंह चौधरी का सपा पर तीखा हमला, बोले-

एसी कमरों में रहने वालों की नहीं उपचुनाव में होगी भाजपा की जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सपा की हालत खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे वाली हो गई है। उन्होंने कहा एसी कमरों में रहने वालों को धरातल की समझ नहीं होती है। इसीलिए कुछ लोग मिथ्या आरोप लगा रहे हैं। यूपी भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि सपा कांग्रेस की राह पर चल रही है।

विपक्ष के बयानवीर नेताओं के मिथ्या आरोपों को जनता भी भलि-भांति समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि परिणाम आने से पहले ही सपा मुखिया ने हार स्वीकार ली है। उन्हें पता था कि जनता ने भाजपा की डबल इंजन सरकार को फिर आशीर्वाद दे दिया है। इसीलिए अखिलेश यादव केवल मीडिया में बयानबाजी करते रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि सपा का जनता से न सरोकार है और न जनहित से। सपा धरातल से कट चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के जन-जन को मिल रहा है। इसीलिए गोला गोकर्णनाथ के उपचुनाव में भी जनता का भरपूर और अशीर्वाद भाजपा को मिला है। जनता से मिले प्यार और समर्थन के बल पर भाजपा बड़े अंतर से जीत दर्ज करने जा रही है। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि ऐसी कमरो में रहने वालों की नहीं, बल्कि उपचुनाव में भाजपा की जीत होगी। उन्होंने कहा जनता को भाजपा पर पूरा भरोसा है। भाजपा विकास की राजनीति करती है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

यूपी में 15 आयुष कॉलेजों की मान्यता खतरे में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में 15 आयुष कॉलेजों की मान्यता खतरे में हैं। केंद्रीय आयुर्वेदिक चिकित्सा परिषद की केंद्रीय टीम के निरीक्षण में इन कॉलेजों में खामियां मिली हैं। हालांकि इन कॉलेजों को खामियां दूर करने का अंतिम मौका दिया गया है।

उधर निजी क्षेत्र के कुल 80 आयुष कॉलेजों में आधे से अधिक में अभी तक निरीक्षण नहीं हो पाया है। ऐसे में इन कॉलेजों में दाखिले के लिए काउंसिलिंग इस महीने शुरू होने पर संशय है क्योंकि निरीक्षण के बाद जहां कमियां पाई जाएंगी, वहां सुधार का मौका मिलेगा। इसके बाद जहां सुधार नहीं हो पाएगा, वहां की मान्यता समाप्त कर दी जाएगी जबकि प्रदेश में नीट यूजी के तहत एमबीबीएस और बीडीएस के बाद आयुष कॉलेजों में दाखिले के लिए काउंसिलिंग चल रही है। इसके तहत बीएएमएस (आयुर्वेद), बीएचएमएस (होम्योपैथिक) और बीयूएमएस (यूनानी) कोर्स में दाखिले होते हैं। सूत्रों का कहना है कि सरकारी क्षेत्र के 12 आयुर्वेदिक कॉलेजों का निरीक्षण हुआ। इनमें बांदा, मुजफ्फरनगर और हड़ियां (प्रयागराज) स्थित कॉलेजों में खामियां पाई गई हैं। इनकी मान्यता पर खतरा हैं। इन्हें सुधारने का अंतिम मौका दिया गया है। इसी तरह निजी क्षेत्र के 58 कॉलेजों में करीब 20 का निरीक्षण हुआ है।

तेज प्रताप को मैनपुरी लोक सभा उपचुनाव से उतारने की तैयारी में सपा

» मैनपुरी लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी तेज प्रताप पर लगा सकती है दांव

» मुलायम सिंह के निधन के बाद खाली हुई मैनपुरी सीट

» तेज प्रताप यादव पहले भी रह चुके हैं मैनपुरी से सांसद

गीताश्री

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई मैनपुरी लोक सभा सीट से समाजवादी पार्टी तेज प्रताप यादव को मैदान में उतार सकती है। तेज प्रताप यादव पहले भी मैनपुरी से सांसद रह चुके हैं। सूत्रों के हवाले से मिल रही खबर के मुताबिक समाजवादी पार्टी में तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाने को लेकर सहमति देखने को मिल रही है। मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई मैनपुरी लोक सभा सीट पर छह महीने के भीतर ही उपचुनाव होंगे। समाजवादी पार्टी का मजबूत किला माने जाने वाले मैनपुरी लोक सभा सीट को बचाए रखना अखिलेश यादव के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है।

लिहाजा इस सीट से परिवार के ही किसी सदस्य को मैदान में उतारने के पक्ष में समाजवादी पार्टी नजर आ रही है। सूत्रों के मुताबिक मैनपुरी सीट से अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव और जसवंत नगर से विधायक शिवपाल यादव के नाम पर भी परिवार में चर्चा हुई, लेकिन सभी की सहमति तेज प्रताप यादव को लेकर है। बताया जा रहा है कि परिवार अब शिवपाल सिंह यादव को मनाने में जुटा है। उधर बुधवार को संभल के कल्कि महोत्सव में पहुंचे शिवपाल यादव ने कहा कि वे अभी भी सपा में बड़ी जिम्मेदारी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। साथ ही सपा में जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी वे कुछ कह नहीं सकते। हालांकि 2024 के लोक सभा चुनाव को देखते हुए सपा किसी बड़े नामी उम्मीदवार पर दांव नहीं लगाना चाहती। बता दें कि मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई मैनपुरी लोक सभा सीट पर छह महीने के भीतर ही उपचुनाव होना है। ऐसे में मैनपुरी लोक सभा सीट को बचाए रखना अखिलेश यादव के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। लिहाजा इस सीट से परिवार के ही किसी सदस्य को मैदान में उतारने के पक्ष में समाजवादी पार्टी नजर आ रही है। मैनपुरी लोक सभा सीट लंबे समय से मुलायम परिवार के पास रही है। मुलायम सिंह यादव के निधन से न सिर्फ मैनपुरी सीट खाली हो गई है बल्कि लोक सभा में यादव परिवार का प्रतिनिधित्व भी खत्म हो गया है। ऐसे में इस सीट पर मुलायम सिंह यादव के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चा तेज हो चुकी है। मुलायम के अलावा इस सीट से धर्मेंद्र यादव और तेज प्रताप यादव भी सांसद रह चुके हैं। दोनों उपचुनाव के जरिये संसद पहुंचे थे। ऐसे में इन दोनों का ही नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है। इसके अलावा सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव भी दावेदार हो सकती हैं। संयोग से डिंपल को भी उपचुनाव के जरिये संसद में जाने का मौका मिला था। पिछले चुनाव में भी धर्मेंद्र, तेज प्रताप और डिंपल अलग-अलग सीटों से मैदान में उतरे थे लेकिन जीत नहीं सके थे।

राष्ट्रपति को पत्र, मुलायम सिंह यादव को मिले भारत रत्न

समाजवादी पार्टी के संरक्षक रहे मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद से लगातार उन्हें भारत रत्न दिए जाने की मांग उठ रही है। वहीं, अब महाराष्ट्र कांग्रेस नेता मोहम्मद आरिफ नसीम खान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखकर मांग की है कि देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न को मरणोपरांत समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव को दिया जाना चाहिए। नसीम खान ने अपने पत्र में लिखा कि मुलायम सिंह यादव ने हमेशा ओबीसी से लेकर पिछड़े वर्ग के लिए काम किया, संघर्ष किया और उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा की इसलिए उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न दिया जाना चाहिए। महाराष्ट्र कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष खान ने कहा, समाजवादी पार्टी के नेता के निधन पर पूरे देश में शोक है। मैं अनुरोध करता हूं कि उन्हें करोड़ों लोगों की भावनाओं के सम्मान में भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। बता दें कि खान ने प्रधानमंत्री को भी पत्र लिखकर मुलायम सिंह यादव को भारत रत्न देने की मांग की है।

तीन नाम ही हैं रेस में

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि लोक सभा में यादव परिवार की मौजूदगी बनाए रखने और राष्ट्रीय राजनीति में सपा की धाक के लिए यादव परिवार से ही किसी को मैनपुरी उपचुनाव लड़ाया जाएगा। अगर अखिलेश नहीं लड़ते तो धर्मेंद्र, तेज प्रताप और डिंपल यादव, तीन ही नाम दिखाई दे रहे हैं। तीनों पहले भी लोक सभा के सांसद रह चुके हैं। हालांकि इनमें सबसे ज्यादा चांस धर्मेंद्र यादव का है। धर्मेंद्र लगातार सपा के आंदोलनों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते रहते हैं। अखिलेश के आजमगढ़ सीट खाली करने पर धर्मेंद्र ही परिवार की पहली पसंद बने थे। हालांकि धर्मेंद्र चुनाव नहीं जीत सके थे।

मुलायम के पोते हैं तेज प्रताप यादव

मुलायम सिंह के बड़े भाई रतन सिंह यादव के पोते तेज प्रताप सिंह ने 2014 में मैनपुरी से लोक सभा चुनाव लड़ा था और 3 लाख से अधिक वोटों से विजयी होकर लोक सभा पहुंचे थे। तेज प्रताप यादव की शादी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी राजलक्ष्मी से हुई है। रणवीर सिंह और मृदुला यादव की संतान तेज प्रताप 21 नवंबर 1987 में जन्म हुआ था। उन्होंने नोएडा के दिल्ली पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की।

अखिलेश खुद भी उतर सकते हैं मैदान में!

एक चर्चा अखिलेश यादव के खुद भी मैनपुरी से उतरने की है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजनीति में सपा की पकड़ को मजबूत बनाए रखने के लिए अखिलेश यादव के खुद मैदान में आने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक अखिलेश के फिलहाल यूपी की राजनीति छोड़कर दिल्ली जाने की संभावनाओं से इनकार कर रहे हैं। उनका मानना है कि यूपी में योगी को अखिलेश पूरी चुनौती दे रहे हैं।

तीन साल पहले तक मुलायम परिवार के लोक सभा में पांच सदस्य

2019 के चुनाव से पहले तक लोक सभा में मुलायम परिवार के पांच सदस्य सांसद थे। 2014 के मोदी लहर में भी मुलायम समेत परिवार के पांच लोगों को सफलता मिली थी। मुलायम ने मैनपुरी और आजमगढ़ से जीत हासिल की थी। कन्नौज से डिंपल यादव, बदायूं से धर्मेंद्र यादव व फिरोजाबाद से अक्षय चुनाव जीते। बाद में मैनपुरी की सीट से मुलायम ने इस्तीफा देकर आजमगढ़ के सांसद रहे। मैनपुरी से अपने भाई के नाती तेज प्रताप यादव को मैदान में उतारा और लोक सभा पहुंचाया था। 2019 के चुनाव में भी सभी ने चुनाव लड़ा लेकिन जीते केवल अखिलेश और मुलायम ही। मैनपुरी से मुलायम सिंह यादव और आजमगढ़ से अखिलेश यादव चुनाव जीत सके। डिंपल, धर्मेंद्र और अक्षय हार गए थे। विधान सभा चुनाव में विधायक बनने के बाद अखिलेश ने आजमगढ़ लोक सभा सीट से इस्तीफा दिया तो धर्मेंद्र को मैदान में उतारा लेकिन वह चुनाव नहीं जीत सके थे। इस तरह लोक सभा में मुलायम अकेले यादव परिवार के सदस्य बचे थे।

निकाय चुनाव: ओबीसी-एससी को मिलेगा लाभ, सामान्य कोटे की सीटें होगी कम

» सीमा विस्तार के बाद हुआ बदलाव, आरक्षण का पड़ेगा असर

» 88 गांव के जुड़ने के बाद भी वार्डों की नहीं बढ़ी संख्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के सीमा विस्तार और आरक्षण के कारण निकाय चुनाव में ओबीसी और एससी की सीटों में इजाफा होगा जबकि समान्य कोटे की सीटों में कमी आएगी। आरक्षण के मुताबिक ओबीसी और एससी की आबादी के हिसाब से लाभ मिलेगा।

सीमा विस्तार के बाद सामान्य वर्ग की तीन सीटें कम हो रही हैं। इनकी जगह ओबीसी और अनुसूचित जाति की सीटें बढ़ेंगी। सीमा में 88 नए गांव जुड़ने से एससी और ओबीसी की आबादी बढ़ गई है। इलाके बढ़ने के बाद भी वार्डों की संख्या 110 ही है। ऐसे में इसका असर वार्डों के आरक्षण पर पड़ रहा है, जिससे सामान्य वर्ग की सीटें कम हो रही हैं। हालांकि आरक्षण को लेकर प्रशासन ने अभी कोई प्रस्तावित सूची जारी नहीं की है लेकिन आरक्षण तय करने को लेकर जो आदेश जारी हुआ है उसमें आबादी को आधार बनाया गया है। ओबीसी और एससी की जितने प्रतिशत आबादी है, उतने ही फीसदी उन्हें आरक्षण दिया जाना है। इस नियम के पालन में यह भी ध्यान रखा जाएगा कि एससी का 21 और ओबीसी का आरक्षण 27 प्रतिशत से अधिक नहीं हो। विस्तारित क्षेत्र की आबादी नगर निगम में जुड़ने से पिछली बार की तुलना में एससी और ओबीसी की आबादी बढ़ गई है, लेकिन फिर भी अभी इनकी कुल आबादी आरक्षण प्रतिशत से कम ही है। बीते चुनाव में 110 वार्डों में 12 एससी, 20 ओबीसी और 25 महिला के लिए आरक्षित थे। इस तरह सामान्य कोटे के 53 वार्ड थे, जिसमें से इस बार तीन सीटें कम हो जाएंगी। 2017 के चुनाव में एससी के लिए 12 वार्ड आरक्षित थे। इसमें से चार वार्ड महिला एससी के लिए आरक्षित थे। इस बार विस्तारित क्षेत्र जुड़ने से एससी की आबादी बढ़ी है, जिससे दो सीटें बढ़ेंगी। इसी तरह ओबीसी के लिए बीते चुनाव में 20 वार्ड आरक्षित थे। इनमें से सात महिला ओबीसी के लिए आरक्षित थे। सीमा विस्तार से इनकी आबादी बढ़ी है। इस कारण ओबीसी की एक सीट बढ़ना तय है।

110 सीटों पर आरक्षण

एससी	09
एससी महिला	05
ओबीसी	14
ओबीसी महिला	07
महिला	25
सामान्य	50

यह है सिस्टम

रैपिड सर्वे के बाद वार्डों की नंबरिंग होती है। इसमें सबसे ऊपर महिला एससी वार्ड रखे जाते हैं। इसके बाद पुरुष एससी वार्ड और फिर ओबीसी महिला वार्ड रहते हैं। इनके बाद ओबीसी पुरुष वार्ड रहते हैं। फिर सामान्य महिला और इसके बाद सभी सामान्य वार्ड रखे जाते हैं। ऐसे में साफ है कि परिसीमन और रैपिड सर्वे के बाद जो वार्ड इस क्रम में आएंगे, उनका आरक्षण वही होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आग से सुरक्षा पर लापरवाही क्यों?

> "सवाल यह है कि सरकारी व निजी सार्वजनिक भवनों पर अग्नि से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं हैं? भवनों पर सुरक्षा उपकरण क्यों नहीं लगाए जाते हैं? क्यों मौके पर आग बुझाने वाले उपकरण शो पीस बनकर रह जाते हैं? ऐसे भवनों का समय-समय पर निरीक्षण क्यों नहीं किया जाता है? भीषण अग्निकांडों के बावजूद सब चलता है कि तर्ज पर सरकार क्यों चल रही है?

उत्तर प्रदेश में मथुरा के वृंदावन क्षेत्र में स्थित एक गेस्ट हाउस में लगी आग में दो कर्मचारियों की मौत हो गयी जबकि राजधानी लखनऊ के पॉश इलाके हजरतगंज में एक कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लग गयी। आग की चपेट में आने से कोचिंग पढ़ने आए छात्रों समेत काफी संख्या में लोग किसी तरह बच सके। ये घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि प्रदेश में कई भीषण अग्निकांडों के बाद भी सरकार ने कोई सबक नहीं लिया है। सवाल यह है कि सरकारी व निजी सार्वजनिक भवनों पर अग्नि से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं हैं? भवनों पर सुरक्षा उपकरण क्यों नहीं लगाए जाते हैं? क्यों मौके पर आग बुझाने वाले उपकरण शो पीस बनकर रह जाते हैं? ऐसे भवनों का समय-समय पर निरीक्षण क्यों नहीं किया जाता है? भीषण अग्निकांडों के बावजूद सब चलता है कि तर्ज पर सरकार क्यों चल रही है? क्या अग्नि से सुरक्षा के लिए जरूरी मापदंडों का पालन कराना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है? क्या किसी को लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने की छूट दी जा सकती है?

प्रदेश में अग्निकांड की यह कोई पहली घटना नहीं है। हर साल कुछ अंतराल में आगजनी की घटनाएं होती रहती हैं। पूर्व में सरकारी और निजी भवनों में आग लगने से कई लोगों की मौत हो चुकी है लेकिन आज तक अग्नि सुरक्षा के मानकों का पालन सुनिश्चित नहीं किया जा सका है। लापरवाही का आलम यह है कि कई बार बिना किसी जांच-पड़ताल के फायर एनओसी जारी कर दी जाती है। यही नहीं फायर सुरक्षा का समय-समय पर निरीक्षण तक नहीं किया जाता है। यही वजह है कि छोटी सी आग भयानक रूप ले लेती है और इसकी चपेट में आकर लोगों की मौत हो जाती है। वृंदावन के गेस्ट हाउस में लगी आग से दो लोगों की मौत इसी लापरवाही का नतीजा है। यदि मौके पर आग बुझाने के उपकरण मौजूद होते तो शायद दो कर्मियों की मौत नहीं होती। यही नहीं हजरतगंज जैसे पॉश इलाके में बने कॉम्प्लेक्स में भी आग बुझाने वाले उपकरण कंडम हालत में मिले। लिहाजा यहां आग भड़कती चली गयी और यदि दमकलकर्मी समय पर नहीं पहुंचते तो बड़ा हादसा हो सकता था। जाहिर है यदि सरकार अग्निकांडों पर नियंत्रण लगाना चाहती है तो उसे न केवल सार्वजनिक और निजी भवनों को तत्काल प्रभाव से फायर सुरक्षा उपकरणों से लैस कराना होगा बल्कि अन्य मानकों को भी पूरा करना होगा। इन भवनों में लगे अग्नि सुरक्षा उपकरणों की जांच पड़ताल भी समय-समय पर करनी होगी। वहीं ऐसा नहीं करने वालों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई करनी होगी। इसके अलावा अग्नि सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक भी करना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

डिजिटल रुपये के नये दौर की शुरूआत

जयंतीलाल भंडारी

एक नवंबर से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश में डिजिटल रुपये के नये दौर की शुरुआत की है। प्रायोगिक तौर पर अभी सिर्फ सरकारी प्रतिभूतियों के थोक लेन-देन में ही डिजिटल रुपये के इस्तेमाल की अनुमति दी गयी है। आरबीआई ने नौ सरकारी और निजी क्षेत्र के बैंकों को सरकारी प्रतिभूतियों में लेन-देन के लिए डिजिटल करेंसी के इस्तेमाल की अनुमति दी है। इन बैंकों में भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एचएसबीसी शामिल हैं।

आरबीआई की डिजिटल मुद्रा में सौदों का निपटान करने से निपटान लागत में कमी आने की संभावना है। गौरतलब है कि अगर यह पायलट प्रोजेक्ट सफल रहता है तो दूसरे कई क्षेत्रों में प्रायोगिक तौर पर डिजिटल मुद्रा के इस्तेमाल की शुरुआत की जायेगी। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) के बारे में पेश अपनी संकल्पना रिपोर्ट में कहा था कि डिजिटल मुद्रा लाने का मकसद मुद्रा के मौजूदा स्वरूपों का पूरक तैयार करना है। इससे उपयोगकर्ताओं को मौजूदा भुगतान प्रणालियों के साथ अतिरिक्त भुगतान विकल्प मिल पायेंगे। सीबीडीसी किसी केंद्रीय बैंक की तरफ से जारी होने वाले मौद्रिक नोटों का डिजिटल स्वरूप है। सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में डिजिटल रुपया लाने की घोषणा की थी। नि:संदेह देश में डिजिटलीकरण तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस समय देश में 46 करोड़ से अधिक जन-धन खातों (जे), 134 करोड़ से अधिक आधार कार्ड (ए) और 118 करोड़ से अधिक मोबाइल उपभोक्ताओं (एम) के तीन आयामी जैम से आम आदमी डिजिटल दुनिया से जुड़ गया है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 75 जिलों में डिजिटल बैंकिंग यूनिटों (डीबीयू) की वर्चुअल शुरुआत करते हुए कहा कि भारत दुनिया का ऐसा देश बन गया है,जहां सबसे तेजी से डिजिटलीकरण हो रहा है और इससे आम आदमी एवं अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्र लाभान्वित होते दिखाई दे रहे हैं। आईएमएफ और विश्व बैंक सहित विभिन्न वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय संगठनों द्वारा प्रकाशित की जा रही रिपोर्टों में वैश्विक मंदी के बीच भारत की स्थिति तुलनात्मक रूप से संतोषप्रद होने का एक प्रमुख कारण भारत में डिजिटलीकरण की बढ़ी हुई ऊंचाई है। आईएमएफ ने 13 अक्टूबर को जारी अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि गरीबों, किसानों और आम लोगों के सशक्तीकरण के मद्देनजर भारत में 2014 से लागू की गयी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजना चमत्कार की तरह है। इससे सरकारी योजनाओं का फायदा सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाने में बड़ी कामयाबी मिली है। डिजिटलीकरण भारतीय अर्थव्यवस्था में गेमचेंजर बन गया है। भारत में करीब 450 से अधिक स्कीमों के तहत गरीबों को लाभ देने के लिए डीबीटी का इस्तेमाल हो रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, 2013-14 से अब तक डीबीटी के जरिये करीब 24.8 लाख करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचायी गयी है, जिसमें 6.3 लाख करोड़ के लाभ सिर्फ 2021-22 में ही पहुंचाये गये हैं। 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार औसतन 90 लाख से अधिक डीबीटी भुगतान प्रतिदिन होते हैं। देश में सौ से अधिक सरकारी सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। यूपीआई, कोविन और डिजीलॉकर जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों से आम आदमी के जीवन से संबंधित सेवाएं आसान हुई हैं। किसानों के समावेशी विकास में भी डीबीटी की अहम भूमिका है। देशभर के गांवों में डिजिटलीकृत ग्रामीण स्वामित्व योजना के लगातार विस्तार से गांवों के विकास और किसानों की अधिक आमदनी का नया अध्याय लिखा जा रहा है लेकिन इस समय डिजिटल इंडिया के तहत स्टार्टअप, डिजिटल शिक्षा, डिजिटल बैंकिंग, भुगतान समाधान, स्वास्थ्य तकनीक, एग्रीटेक आदि की डगर में

जो बाधाएं और चुनौतियां हैं, उनके समाधान हेतु तत्परतापूर्वक कदम उठाने की जरूरत है। इस परिप्रेक्ष्य में तकनीकी एवं वैज्ञानिक सोच, डेटा तक सरल पहुंच, स्मार्टफोन की कम लागत, निर्बाध कनेक्टिविटी, बिजली की सरल आपूर्ति पर अधिक ध्यान देना होगा। उम्मीद करें कि एक नवंबर से डिजिटल रुपये की प्रायोगिक शुरुआत के बाद अब डिजिटल रुपये का इस्तेमाल अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से बढ़ेगा। डीबीटी रिपोर्ट से उत्साहित होकर सरकार डीबीटी से और अधिक लाभ देने के लिए आगे बढ़ेगी तथा भारत में डिजिटलीकरण को अधिक गतिशील बनाने के लिए नयी पीढ़ी को आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, क्लाउड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों से शिक्षित-प्रशिक्षित करने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी।

लोकतांत्रिक मूल्यों की नजीर बना ब्रिटेन

विश्वनाथ सचदेव

ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को लेकर हमारे भारत में बहुत कुछ कहा-सुना जा रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि दूर का सही, भारत से सुनक का रिश्ता है। उनके दादा अविभाजित भारत के गुजरांवाला के थे। इस नाते भारत और पाकिस्तान दोनों स्वयं को इसका हकदार मानकर ऋषि सुनक से अपना रिश्ता जोड़ रहे हैं। इस बात पर संतोष व्यक्त किया जा रहा है कि 'एशियाई मूल' का कोई व्यक्ति ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बना है। ब्रिटेन में कुल आबादी का मात्र 2.3 प्रतिशत ही भारतीय मूल के लोग हैं। यदि एशियाई मूल के लोगों की बात करें तो कुल 6.8 प्रतिशत ब्रितानी नागरिक ही बनते हैं। इस दृष्टि से यह कह कर ब्रिटेन की जनतांत्रिक परंपरा की प्रशंसा हो रही है कि वहां अल्पसंख्यक भी इतने ऊंचे पद पर पहुंच सकता है।

इसी बात को कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि हमें ब्रिटेन से सीखना चाहिए। निश्चित रूप से यह सीखने की बात है। हमारे भारत में लगभग 20 प्रतिशत नागरिक अल्पसंख्यक की श्रेणी में आते हैं। मुसलमानों के अलावा बौद्ध, सिख और जैन आदि शामिल हैं। इनमें मुसलमानों की संख्या 15 प्रतिशत है, इसलिए सामान्यत: जब अल्पसंख्यकों की बात होती है तो उसका संदर्भ मुसलमान से ही होता है। ऐसा नहीं है कि भारत में मुसलमानों को ऊंचे पद नहीं मिले हैं। तीन बार देश के राष्ट्रपति बनने का अवसर मुसलमानों को मिला है। राजस्थान और बिहार समेत कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री मुसलमान बन चुके हैं। जहां तक प्रधानमंत्री का सवाल है, यदि कोई योग्य व्यक्ति निर्वाचित होता है और संसद में उसे बहुमत का समर्थन मिलता है तो कोई मुसलमान अवश्य इस पद पर पहुंच सकता है। वैसे अल्पसंख्यक सिख प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति दोनों पदों पर पहुंचे हैं। हम इस सच्चाई से भी मुंह नहीं चुरा सकते कि हमारी वर्तमान संसद में सत्तारूढ़ दल (भाजपा) का एक भी सांसद मुसलमान नहीं है। भाजपा का कहना है कि वह जीत की संभावनाओं को देखकर किसी को अपना उम्मीदवार बनाती है। पर, सवाल उठता है धर्मनिरपेक्ष देश में किसी राजनीतिक दल को कोई मुसलमान अल्पसंख्यक जीतने लायक क्यों नहीं दिखता? क्या हमारे मतदाता भी धर्म के आधार पर ही वोट देते हैं? यदि ऐसा होता तो विधायकों-सांसदों में कोई अल्पसंख्यक कैसे होता? बहरहाल, ब्रिटेन के ऋषि सुनक का प्रधानमंत्री बनना जनतांत्रिक मूल्यों के प्रति वहां के नागरिकों की निष्ठा को ही दर्शाता है और यह बात दुनिया को ब्रिटेन से सीखनी चाहिए। पर इससे अधिक न सही, इतनी ही महत्वपूर्ण एक और बात भी है जिसकी ओर ध्यान जाना चाहिए। यह बात 44 दिन में ही सत्ता छोड़ देने वाली लिज ट्रस से जुड़ी है। ट्रस ने अपनी ही पार्टी के सदस्यों का विश्वास खो दिया था इसलिए उन्हें पद छोड़ना ही था। पर पद छोड़ते समय जो बात 47 वर्षीय ट्रस ने कही वह गौर करने लायक है। पद से इस्तीफा देने की घोषणा करते हुए अपने छोटे से बयान में उन्होंने कहा, मैं अपने देश की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पायी हूं, जो वादे मैंने किये थे, उन्हें मैं पूरा नहीं कर पायी इसलिए, मैं अपने पद से इस्तीफा दे रही हूं।

वादे पूरे न कर पाने की यह बात जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाती है। अक्सर सत्तारूढ़ पक्ष पर ये आरोप विरोधी पक्ष ही लगाते हैं। मतदाता भी वादाखिलाफी को मतदान का आधार बना सकते हैं लेकिन, सत्ता छोड़ते समय यदि कोई प्रधानमंत्री ऐसी बात कहता है तो इसके महत्व को समझे जाने की आवश्यकता है। हर राजनीतिक दल, हर राजनेता वादों का सहारा लेता है और दावे भी करता है वादों को पूरा करने के। पर कितने नेता ऐसे होते हैं जो ईमानदारी से अपनी नाकामयाबी को स्वीकार करते हैं? जनतांत्रिक व्यवस्था में यह सवाल हर जागरूक मतदाता को अपने नेताओं से पूछना चाहिए। पूछना तो अपने आप से नेताओं को भी चाहिए कि वोट मांगते समय वे जो वादों की बरसात करते हैं वह किस बंजर जमीन पर पड़ती है कि मतदाता तरसता रह जाता है? 'कसमें, वादे, प्यार, वफ़ा सब बातें हैं, बातों का क्या' वाला चर्चित गीत याद आ रहा है मुझे! चुनावों के समय बड़े-बड़े घोषणापत्र जारी किये जाते हैं। वादे और दावे किए जाते हैं। ऐसे वादों-दावों का क्या हश्र होता है। सच तो यह है कि हमारी राजनीति में इस नैतिकता के लिए कोई स्थान ही नहीं है। ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री ने वादे पूरे न कर पाने की बात स्वीकार कर वस्तुत: इसी नैतिकता का एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। हो सकता है उन्होंने ऐसा करके सिर्फ औपचारिकता निभायी हो उनके भीतर इस बात की कोई ग्लानि न हो पर उससे इस बात का महत्व कम नहीं हो जाता कि एक राजनेता ने अपने अपराध को स्वीकार किया। हां, यह वादाखिलाफी एक अपराध ही है, पर हमारे राजनेताओं से तो कोई अपराध होता ही नहीं !ब्रिटेन में जो कुछ हुआ यानी एक अल्पसंख्यक का प्रधानमंत्री बनना और एक प्रधानमंत्री का यह स्वीकार करना कि वह वादे पूरे नहीं कर पायी इसलिए पद त्याग रही हैं, जनतांत्रिक परंपरा की एक अच्छी नजीर बन सकता है। ऐसे उदाहरण जनतंत्र की मज़बूती भी दिखाते हैं और जनतंत्र को मज़बूत भी बनाते हैं। वैसे, जनतंत्र की मजबूती का एक आधार जनता का अपने नेतृत्व में विश्वास होता है। ऋषि सुनक को यह प्रमाणित करना है कि उन्हें जनता का विश्वास प्राप्त है, और हमारे नेताओं को यह दिखाना है कि वे जनतंत्र के औचित्य की इस कसौटी को समझते हैं। पर इतनी ही महत्वपूर्ण बात यह भी है कि राजनेता जनता के प्रति अपने कर्तव्य को हमेशा याद रखें।

इन ट्रिक्स से धोयें ऊनी कपड़े

सर्दी ने दस्तक दे दी है, जल्दी ही इसकी तीव्रता भी बढ़ने लगेगी। ऐसे में ठंड के मौसम में सर्दी से बचने के लिए सभी लोग वूलन कपड़ों की मदद लेंगे। लेकिन सर्दी में ऊनी कपड़ों को पहनना जितना अच्छा और आरामदायक लगता है, इनको साफ और बैक्टीरिया फ्री करना भी अपने आप में काफी चैलेंजिंग होता है। गर्म कपड़ों को धोते समय लोग अक्सर कुछ आम गलतियां कर बैठते हैं, जिससे न सिर्फ ऊनी कपड़े जल्दी खराब हो जाते हैं बल्कि इनकी चमक भी फीकी पड़ जाती है। इसीलिए हम आपसे शेयर करने जा रहे हैं गर्म कपड़ों को धोने के कुछ आसान टिप्स, जिसे फॉलो करके आप ऊनी कपड़ों को साफ, वैक्टीरिया फ्री और चमकदार बना सकते हैं।

कपड़ों को धूप में रखें

सर्दियों में ज्यादातर लोग गर्म कपड़ों को कई दिनों तक पहने रखते हैं। ऐसे में ऊनी कपड़ों को हर 2-3 दिन पर निकाल कर धूप में जरूर डाल दें। इससे कपड़ों के जर्म्स और बैक्टीरिया खत्म हो जाएंगे। साथ ही आपके गर्म कपड़े स्मैल फ्री भी रहेंगे।

ऊनी कपड़ों को हर 2-3 दिन में धूप में जरूर डाल दें। वूलन कपड़ों को वॉशिंग मशीन में धोने से बचना चाहिए

टिशू पेपर का करें इस्तेमाल

सर्दियों के दौरान अक्सर गर्म कपड़ों में खाने का दाग लग जाता है। जिसके कारण आपको न चाहते हुए भी ऊनी कपड़ों को रगड़ना पड़ सकता है। ऐसे में दाग को साफ करने के लिए आप टिशू पेपर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे ऊनी कपड़ों पर लगा दाग आसानी से छूट जाएगा।

धोने के टिप्स

ऊनी कपड़ों को धोने के लिए माइल्ड सर्फ या वुलन क्लोथ वाले लिक्विड सोप का इस्तेमाल बेस्ट हो सकता है। वहीं वॉशिंग मशीन में धोने से ऊनी कपड़ों में रेशे आ जाते हैं, साथ ही इनकी चमक भी जा सकती है। इसलिए वुलन क्लोथ को हमेशा माइल्ड सर्फ में भिगोने के बाद हल्के हाथों से धोना बेहतर रहता है।

सुखाने के टिप्स

ऊनी कपड़ों को धोने के बाद अच्छी तरह से निचोड़ कर धूप में डाल दें। मगर ध्यान रहे कि गर्म कपड़ों को तेज धूप में डालने से बचें। साथ ही ऊनी कपड़ों को सुखाने के लिए ड्रायर का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे आपके गर्म कपड़ों की चमक चली जाती है।

गर्म पानी से रखें दूर

सर्दियों में कुछ लोग गर्म पानी से कपड़े धोना पसंद करते हैं। मगर ऊनी कपड़ों को गर्म पानी में धोने से इनकी चमक चली जाती है। इसलिए ऊनी कपड़ों को धोने के लिए ताजे या फिर गुनगुने पानी का उपयोग करना सही होता है।

हंसना मना है

डॉक्टर -आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था. डॉक्टर- तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, खिसको, तभी से खिसक गया।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं. लड़की - अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल.लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

टीचर- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

लड़का - आई लव यू डियर, लड़की - तुझे मेरी चप्पल का साइज तो पता है ना? लड़का - अरे...पहले से ही गिफ्ट मांगने शुरू कर दिए, मैं नहीं दे रहा कोई सैंडल-वैंडल।

भिखारी- साहब मैं अपने परिवार से बिछड़ गया हूं। मिलने के लिए 150 रुपये चाहिए। शर्मा जी(भावुक होकर) - कहां है तेरा परिवार? भिखारी- जी वो मल्टीप्लेक्स में सिनेमा देख रहे हैं।

राजू- बस में बैठते हुए मैं किसी लड़की को खड़ा नहीं देख सकता। मंजू- तो फिर तुम क्या करते हो? राजू- मैं अपनी आंखें बंद कर लेता हूं!

कहानी | भारतीय नर्क

एक आदमी की मौत हो गई और उसे अपने कर्मों के कारण नर्क की प्राप्ति हुई। उसने वहां जाकर देखा कि हर देश के लिए अलग-अलग नर्क है। वह अमरीकन नर्क में गया और पूछा कि यहां आत्माओं को किस तरह पीड़ा दी जाती है। उसे बताया गया - पहले तो वे आपको बिजली की कुर्सी पर एक घंटा बैठाकर करंट लगाते हैं। फिर आपको तीखे़ कीलों वाले बिस्तर पर नंगे बदन घंटे भर सुलाते हैं। फिर अमरीकन राक्षत आता है जो दिनभर आपको चाबुक से कोड़े लगाता है। उस आदमी को यह सारा सिलसिला पसंद नहीं आया और वह आगे बढ़ गया। उसने आगे जाकर जर्मनी, जापानी, आस्ट्रेलियाई इत्यादि तमाम देशों के नर्क देख डाले। सभी में जैसी सजा अमरीकन नर्क में दी जाती थी। लगभग उसी किस्म की सजा नर्क में आने वाली सभी आत्माओं को दी जाती थी। हाँ, धरती पर किए पापों की गंभीरता के आधार पर समय में कुछ कमी-बेसी जरूर हो जाती थी। घूमते घूमते वह आखीर में भारतीय नर्क में पहुंचा। वहां उसने देखा कि नर्क में प्रवेश के लिए आत्माओं की हजारों मील लंबी लाइन लगी है। आश्चर्य चकित होता हुआ उसने पूछा कि यहाँ किस किस्म की सज़ा आत्माओं को दी जाती है जिसके कारण इतनी लंबी लाइन लगी है? उसे बताया गया कि - पहले तो वे आपको बिजली की कुर्सी पर एक घंटा बैठाकर करंट लगाते हैं। फिर आपको तीखे कीलों वाले बिस्तर पर नंगे बदन घंटे भर सुलाते हैं । फिर भारतीय राक्षस आता है जो दिनभर आपको चाबुक के कोड़े लगाता है । उसे और ज्यादा आश्चर्य हुआ। उसने फिर पूछा - पर ऐसी ही सज़ा तो अमरीकन और तमाम अन्य देशों के नर्कों में भी है। वहां तो अंदर जाने वालों की ऐसी भीड़ नहीं दिखी। किसी ने उसकी जिज्ञासा शांत की - चूंकि यहाँ भीड़ के कारण बदहाली है, मेंटेनेंस बहुत घटिया है, बिजली आती नहीं अत: बिजली की कुर्सी काम नहीं करती, बिस्तर से कीलों को लोग चोरी कर ले जा चुके हैं और कोड़े लगाने वाले भारतीय राक्षस, भारतीय शासकीय सेवा में रह चुके हैं जो आते तो हैं, परंतु हाजिरी रजिस्टर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर कैंटीन चले जाते हैं।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
क्षणिक आवेग में बहकर कोई निर्णय न करें। यह आपके बच्चों के हितों को हानि पहुंचा सकता है। चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में फंसने से बचें- निवेश करने में काफी सावधानी बरतें।

वृषभ
दिन बेहतरीन रहेगा। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो आज का दिन आपकी आशाओं को पूरा करेगा। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं।

मिथुन
आज आपका कोई जरूरी काम पूरा हो जाएगा। कार्यस्थल पर आपको कई मौके मिलेंगे, इनका लाभ उठाएं। परिवार में बड़े बुजुर्गों का सहयोग आपको सबसे अधिक मिलेगा।

कर्क
बर्ताव जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में तनाव डाल सकता है। कोई भी ऐसा काम करने से पहले इसके परिणामों के बारे में सोच लें। मुमकिन हो तो अपना मूड बदलने के लिए कहीं और जाएं।

सिंह
आज आपका दिन सामान्य रहेगा . जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं, वो आज किसी सामाजिक कार्यक्रम में जा सकते हैं। वहां आपकी बातों पर सबका ध्यान केंद्रित होगा।

कन्या
आज यात्रा करना आपके लिए आनंद गायक रहेगा। यात्रा करते समय वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं। परिवार और मित्रों के सहयोग के कारण मन में प्रसन्नता रहेगी।

तुला
आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है।

वृश्चिक
आज आप ऊर्जावान महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति कुछ बाधाओं के चलते अटक सकती है, आपको धैर्य से काम लेने की जरूरत है। वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा।

धनु
जातकों को आज कार्यस्थल पर सम्मानित किया जा सकता है।भगवान भोलेनाथ की कृपा से धन प्राप्ति होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

मकर
जिस तरह मिर्च खाने को लजीज बनाती है, उसी तरह थोड़ा-सा दु:ख भी जीवन में जरूरी है और तभी सुख की असली कीमत पता लगती है। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत है।

कुम्भ
आज आपका रुझान धार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा। आज रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर से तरोताजा करने का दिन है। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

मीन
मीन राशि वालों को आज नौकरी से संबंधित कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौका है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा।

बॉलीवुड मसाला

'यारियां' के सेट पर नेहा कक्कड़ को दिल दे बैठे थे हिमांश कोहली

हिमांश कोहली भी उन एक्टर्स में से हैं जिसने टीवी से अपना करियर शुरू किया और फिल्मी दुनिया में कदम रखा। 3 नवंबर 1989 में दिल्ली में पैदा हुए हिमांश ने साल 2014 में 'यारियां' फिल्म में काम कर अपनी ठीक-ठाक पहचान बनाई लेकिन तब से लेकर फिल्मों में कुछ खास मुकाम हासिल नहीं कर पाए। हालांकि म्यूजिक एल्बम में हिमांश खूब काम कर रहे हैं। हिमांश के जन्मदिन पर बताते हैं उनकी लव लाइफ का मशहूर किस्सा। हिमांश कोहली ने दिल्ली में रेडियो जॉकी से अपना करियर शुरू किया। उसके बाद 'हमसे है लाइफ' टीवी शो से एक्टिंग करियर की शुरुआत की। बचपन से ही राजेश खन्ना के फैन हिमांश ने जब फिल्म 'यारियां' में काम करना शुरू किया तो उनकी मुलाकात सिंगर नेहा कक्कड़ से हुई। नेहा इस फिल्म में हनी सिंह के साथ 'आज ब्लू है पानी-पानी' गाया है। इसी गाने की शूटिंग के दौरान हिमांश और नेहा की दोस्ती हुई जो बाद में प्यार में बदल गई। खास बात ये रही कि हिमांश कोहली और नेहा कक्कड़ ने अपने इश्क को कभी छिपाया नहीं। सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 10' के मंच पर दोनों ने सबके सामने एक दूसरे के लिए प्यार कबूल किया था। करीब 2- ढाई साल के रिलेशनशिप के बाद नेहा और हिमांश ने अपने ब्रेकअप की खबर देकर फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि ऐसा माना जाने लगा था कि दोनों शादी की खबर देंगे। एक इंटरव्यू में नेहा कक्कड़ ने कहा था कि मैं सिंगर बेहद खुश हूं। जिस वक्त मैं रिलेशनशिप में थी तो कबी अपनी फैमिली और फ्रेंड्स को समय नहीं दे पाती थी, मैं अपना सारा समय उस इंसान को दे रही थी दो डिजर्व ही नहीं करता था। इसके बाद भी उसे मुझसे शिकायत रहती थी कि मैं उसे समय नहीं देती हूं'।

ब्रह्मास्त्र से प्राप्त अनुभव को हमेशा संजोकर रखूंगी : मौनी

बॉलीवुड गपशप

मौनी रॉय इस समय अपनी पौराणिक साहसिक फिल्म ब्रह्मास्त्र के डिजिटल प्रीमियर को लेकर चर्चाओं में हैं। उन्होंने साझा किया है कि यह फिल्म कई कारणों से उनके लिए बहुत खास है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे फिल्म के जरिए हिंदी सिनेमा के बड़े जाने-माने सितारों के साथ काम करने का मौका मिला। मौनी रॉय ने कहा, महत्वाकांक्षा के कारण ब्रह्मास्त्र बहुत खास होगी। फिल्म ने मुझे अविश्वसनीय कलाकारों और लिजेंड्स के साथ काम करने का मौका दिया। इस अनुभव को मैं हमेशा संजोकर रखूगी। उन्होंने आगे कहा कि फिल्म में उन्होंने काफी कुछ सीखा। अभिनेत्री ने कहा, उनके साथ स्क्रीन साझा करना एक सौभाग्य की बात थी। जिस अनुशासन और पैशन के साथ वे हर रोज काम करते हैं, उससे मुझे काफी कुछ सीखने को मिला। अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और तेलुगु मेगास्टार नागार्जुन अक्किनेनी जैसे एक्टर्स के साथ काम करना अलग ही अनुभव रहा। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित और करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह फिल्म 4 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है।

बॉलीवुड मन की बात

आप लोगों से मिल रहे प्यार और समर्थन से मैं अभिभूत हूं : रंभा

कनाडा के एक चौराहे पर अभिनेत्री रंभा की कार का एक्सीडेंट हो गया था, हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं लगी थी, अब अभिनेत्री ने अपने उन सभी प्रशंसकों को धन्यवाद दिया है, जिन्होंने अनके और उनके बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की थी। इंस्टाग्राम पर रंभा ने कहा, मेरे सभी प्रशंसकों, दोस्तों और परिवार के सदस्यों के लिए, जो भी दुनिया भर से हैं- जिन्होंने भी हमारे शीघ्र स्वस्थ होने और हमारी सुरक्षा के लिए प्रार्थना की, मैं आप सभी का हृदय से धन्यवाद करती हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद। मेरे बच्चे और मैं अब सुरक्षित हैं। मैं इस समर्थन और प्यार से अभिभूत हूं जो मुझे आप से मिला है। अभिनेत्री ने यह भी पुष्टि की कि उनकी बेटी साशा, जो अस्पताल में थी, उसको छुट्टी दे दी गई और अब वह घर आ गई है। अभिनेत्री ने कहा, अपनी खुशी साझा करने के लिए शब्द नहीं हैं। मेरे बच्चे सुरक्षित हैं। खासकर साशा सुरक्षित हैं। वह अस्पताल से बाहर आई है। मैं आप सभी से प्यार करती हूं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे इतना प्यार मिला। आपकी प्रार्थनाओं के कारण ही हम एक बड़े हादसे से बच गए। मंगलवार को रंभा ने कहा था कि जब वह अपने बच्चों को स्कूल से वापस ला रही थी तभी एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। अभिनेत्री ने अपनी क्षतिग्रस्त कार और अस्पताल में भर्ती अपनी छोटी बेटी की तस्वीरें भी पोस्ट की थी।

वो चूहा जो जिंदगीभर पानी पीये बगैर रहता है और वो भी तपते रेगिस्तान में

सभी पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं की जिंदा रहने के लिए पानी की जरूरत होती है। क्या आप सोच सकते हैं कि कोई जंतु ऐसा भी होगा, जो जिंदगीभर बगैर पानी पिये रह सकता है, चूहे की एक प्रजाति जरूर ऐसा कर सकती है। इसे कंगारू चूहा भी कहा जाता है। ये दुनिया का अकेला जंतु है जो पानी पीये बगैर हमेशा जिंदगी काट सकता है। ये चूहा उत्तरी अमेरिका के रेगिस्तानों में मिलता है। इसे कंगारू रैट कहते हैं। इसकी टांगें और पूंछ आस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कंगारू से मिलती जुलती है। इसके गालों के बाहर की ओर थैलियां भी होती हैं। इन थैलियों में ये खाने का सामान लाता है। फिर इसे अपने बिलों में इकट्ठा करता है। इसकी इसी हरकत और शारीरिक थैली के कारण इसे कंगारू की तरह माना जाता है और इसका नाम कंगारू रैट रखा गया। ये कंगारू की तरह ही लंबी छलांगें लगाता है। रेगिस्तान में उगने वाले कैक्टस के पौधों को आसानी से कूदकर पार कर सकता है। कगारू रैट रेगिस्तानी जीवन का एक खास हिस्सा होता है। ये बेशक पानी नहीं पीता लेकिन इसके शरीर में पानी की मात्रा ज्यादा होने के कारण दूसरे जानवर इसे खा जाते हैं। ये बहुत तेजी से भाग सकता है। ये एक सेकेंड में 06 मीटर की दूरी पार कर लेता है। ये अपने दुश्मनों से बचने के लिए भागते समय खूब तेजी दिखाता है और लंबी पूंछ का इस्तेमाल लगाने और हवा में दिशा बदलने के लिए करता है। कंगारू रैट छलांगें मारते हुए चलते हैं और इनकी छलांगें इतनी सही होती हैं कि बड़ी छलांग भी लगा लेते हैं। इसकी पूंछ 20 सेमीमीटर की होती है और शरीर करीब 18 सेंटीमीटर यानि पूरी लंबाई करीब 38 सेंटीमीटर होती है। इसके आगे के पैर छोटे, सिर बड़ा और आंखें छोटी होती हैं। इनके ऊपर के बाल पीले या भूरे होते हैं और नीचे के सफेद। कंगारू रैट के पैर शरीर के अन्य अंगों की तुलना में कहीं ज्यादा बड़े होते हैं। अब सवाल ये उठता है कि वो बगैर पानी पीये कैसे जिंदा रह लेता है। वैसे ये बात सही है कि रेगिस्तान में वही जीव जंतु और पेड़-पौधे बचे रहते हैं, जिन्हें कम पानी की जरूरत होती है। इस चूहे को पानी की बहुत कम जरूरत होती है या नहीं होती है। ये अपनी पानी की जरूरत को रेगिस्तान में उगने वाले पेड़-पौधों की जड़ों को खाकर पूरी कर लेता है। पेड़-पौधों में की जड़ों में कुछ ना कुछ नमी जरूर होती है।

अजब-गजब | जानिए क्या है इसका रहस्य

इस रहस्यमयी झील में आने वाले पशु-पक्षी बन जाते हैं पत्थर

पूरे ब्रह्मांड में अनगिनत रहस्य छिपे हुए हैं, जिनके बारे में इंसान आज तक नहीं जान पाया. हालांकि कुछ रहस्यों के बारे में इंसान को पता चल चुका है। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक झील से जुड़ा हुआ है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं तंजानिया की एक झील के बारे में। जिसमें जाने वाला हर पशु-पक्षी देखते ही देखते पत्थर बन जाता है। ये रहस्यमयी झील तंजानिया के उत्तरी भाग में हैं। इस झील का नाम नेट्रान झील है।

जब एक फोटोग्राफर निक ब्रांडट उत्तरी तंजानिया की नेट्रान झीव की तटरेखा पर पहुंचे तो वहां के दृश्य को देखकर चौक गए। क्योंकि झील के किनारे जगह-जगह पशु-पक्षियों के स्टैच्यू नजर आ रहे थे। वे स्टैच्यू असली मृत पक्षियों के थे। इसकी वजह पशु-पक्षियों का इस झील के पानी की वजह से कैल्सिफाइड होकर पत्थर बन जाना था। निक ब्रांडट ने जब अपनी फोटो बुक अक्रास द रिवेज्ड लैंड लिखी तब इसमें इस बात का जिक्र किया गया। उन्होंने अपनी इस किताब में लिखा कि कोई भी निश्चित रूप से नहीं जानता है की ये कैसे मरे, लेकिन लगता है की लेक की अत्यधिक रिफ्लेक्टिव नेचर ने उन्हें दिग्भ्रमित किया। जिसकी वजह से वे सब पानी में गिर गए। ब्रांडट आगे लिखते हैं पानी में नमक और सोडा की मात्रा बहुत ही ज्यादा है, इतनी ज्यादा कि इसने मेरी कोडक फिल्म बॉक्स की स्याही को कुछ ही सेकंड में जमा दिया। पानी में सोडा और नमक की ज्यादा मात्रा इन पक्षियों के मृत शरीर को सुरक्षित रखती है। ब्रांडट ने इन पक्षियों के फोटो का संकलन अपनी इसी किताब में किया है।यह किताब उस फोटोग्राफी डाक्यूमेंट का तीसरा वॉल्यूम है, जिसे निक ने पूर्वी अफ्रीका में जानवरों के गायब होने पर लिखा था। दरअसल, पानी में अल्कलाइन का स्तर पीएच9 से पीएच 10.5 है, यानी अमोनिया जितना अल्कलाइन। लेक का तापमान भी 60 डिग्री तक पहुंच जाता है। पानी में वह तत्व भी पाया गया जो ज्वालामुखी की राख में होता है। इस तत्व का प्रयोग मिस्र के लोग ममी को सुरक्षित करने के लिए रखते थे। ब्रांडट ने अपनी किताब लिखा है कि सारे प्राणी कैल्सीफिकेशन की वजह से चट्टान की तरह मजबूत हो चुके थे। इसलिए बेहतर फोटो लेने के लिए हम उनमें किसी भी तरह का बदलाव नहीं कर सकते थे। इसलिए फोटो लेने के लिए हमने उन्हें वैसी ही अवस्था में पेड़ों और चट्टानों पर रख दिया।

भाजपा की सत्ता लोलुपता से निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं : अखिलेश

» गोला गोकर्णनाथ सीट पर हुए उपचुनाव में सपा समर्थक मतदाताओं को नहीं करने दिया मतदान

» शिकायत के बाद भी चुनाव आयोग ने नहीं की तत्परता से कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सत्ता लोलुपता के चलते कहीं भी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं है। पुलिस-प्रशासन पूरी तरह से भाजपा कार्यकर्ता बनकर काम कर रहा है। लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्णनाथ विधान सभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में भाजपा धांधली से जीतने की तैयारी में मतदाताओं को स्वतंत्र रूप से मतदान नहीं करने दिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त भारत सरकार को सभी स्थितियों से पहले ही अवगत कराया गया लेकिन जिस तत्परता से कार्यवाही अपेक्षित थी, वह नहीं हुई है। लोकतंत्र के लिए यह खतरे की घंटी है।

उन्होंने कहा कि विधान सभा क्षेत्र 139 गोला गोकर्णनाथ के मतदान स्थल के बूथ प्रभारी पूर्व प्रधान जुबेर व हरिनगर के पूर्व प्रधान मेजर सिंह बिट्टू को पुलिस बेवजह पकड़ कर ले गई। इसी क्षेत्र के ग्राम लालापुर, मदनपुर, लक्ष्मणजती के पोलिंग स्टेशन पर भाजपा समर्थकों ने कब्जा कर मुस्लिमों व समाजवादी पार्टी के मतदाताओं तथा बूथ प्रभारियों को वहां से भगा दिया। विधान सभा क्षेत्र के बूथ संख्या 324, 325, 326 रामपुर के संबंधित गांव के मतदाताओं पर अनावश्यक पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिससे मतदान बाधित हुआ। मतदाता डरे रहे। इसी क्षेत्र के बूथ संख्या 260-261-262 में बीएलओ ने मतदान करने के लिए पर्ची नहीं बांटी। आधारकार्ड और वोटर आईडी दिखाने के बावजूद मतदाताओं को अधिकारियों ने मतदान नहीं करने दिया है। उन्होंने कहा कि इसकी भी जांच हो कि अपनी गाड़ी में पैसो से भरे लिफाफे लेकर भाजपा विधायक क्यों घूमते रहे? मोहम्मदी विधान सभा से भाजपा विधायक ने सिकन्दराबाद से बूथ संख्या 333, 334, 337 पर घूम-घूम कर मतदान को प्रभावित करने का प्रयास किया है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और मतदाताओं के साथ मारपीट की है। कई मतदान केन्द्रों पर ईवीएम में खराबी से मतदान देर तक बाधित रहा है। गोला गोकर्णनाथ विधान सभा के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी को अभूतपूर्व जनसमर्थन मिलते दिखा तो भाजपा पहले ही अपनी हार मानकर बौखला गई।

पूर्व सीएम रघुवर दास को भी समन करे ईडी : सरयू राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के पूर्व मंत्री सह जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने कहा कि ईडी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा पर हुई चार्जशीट के आधार पर सीएम को बुला रही है, जो साहेबगंज और पाकुड़ में गिट्टी घोटाला से संबंधित है। राय का आरोप है कि इस मामले में हेमंत सोरेन से अधिक घोटाला रघुवर दास के मुख्यमंत्री और खान मंत्री रहते हुआ है। इसका प्रमाण ईडी की उसी चार्जशीट में है, जिसके आधार पर हेमंत सोरेन को पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार पर तो सिर्फ गिट्टी घोटाले का आरोप है, जिसमें उनके प्रतिनिधि पंकज मिश्रा मुख्य अभियुक्त हैं, पर रघुवर दास पर तो गिट्टी घोटाला के साथ ही मनरेगा घोटाले का आरोप भी है, जो ईडी की उस चार्जशीट से साबित होता है, जिसमें पूजा सिंघल पर मुकदमा हुआ है। सरयू राय ने कहा कि ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को तो पूछताछ के लिए बुलाया है पर रघुवर दास को नहीं। ईडी निष्पक्ष रहे और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास को भी पूछताछ के लिए बुलाए।

सीएम नीतीश ने साधा मोदी सरकार पर निशाना, बोले

बिहार की विशेष दर्जे की मांग को नहीं किया पूरा

» दो सौ उर्दू अनुवादकों को दिया नियुक्ति पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि गरीब राज्यों के लिए प्रचार-प्रसार कम हो रहा है। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार नहीं किया गया है।

उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि गरीब गुरबा राज्यों में कुछ हो रहा है? सिर्फ झूठा प्रचार-प्रसार हो रहा है। इस दौरान उन्होंने लगभग 200 उर्दू अनुवादकों को नियुक्ति पत्र दिए। समारोह के दौरान डिप्टी तेजस्वी यादव और शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी भी उपस्थित थे। वहीं प्रदेश भाजपा

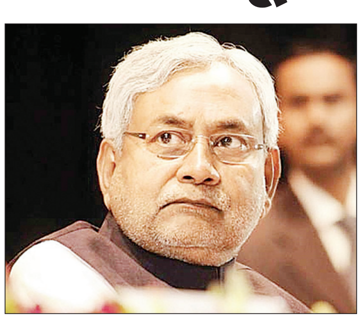

प्रवक्ता निखिल आनंद ने नाराजगी जताते हुए कहा कि सीएम नीतीश कुमार की मंशा हर स्कूल में उर्दू शिक्षकों को बहाल करने की है। बिहार विधानसभा में उर्दू जानने वालों को नियुक्त करने की आवश्यकता क्यों है? बिहार के मुस्लिम बहुल जिलों में दलितों, ओबीसी और ईबीसी का जीवन बर्बाद है।

अल्पसंख्यकों को हल्के में लेती है राजद, नहीं दी कैबिनेट में जगह : पीके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में अपना राजनीतिक चेहरा चमका रहे प्रशांत किशोर इन दिनों राज्य के गांव-कस्बों में जनसभाएं कर रहे हैं। गुरुवार को एक जनसभा में बोलते हुए पीके ने राजद पर बिहार के मुसलमानों के साथ बंधुआ मजदूर जैसा व्यवहार करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि भाजपा से नाता तोड़कर जेडीयू ने राजद के साथ सरकार बनाई, लेकिन इस बात पर ध्यान दें कि आपके समुदाय के कितने लोगों को नई कैबिनेट में जगह मिली है। नई सरकार ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के बेटे और उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव को दूसरी बार उपमुख्यमंत्री बना दिया। आप सभी राजद के प्रति आत्मीयता महसूस करते हैं लेकिन इस सवाल पर विचार करें। बता दें राजद दो महीने पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा से नाता तोड़कर महागठबंधन में शामिल होने के बाद सत्ता में आई है।

रक्षामंत्री की जनसभा में लगे पीओके चाहिए के नारे, राजनाथ बोले, धैर्य रखें, जल्द मिलेगा

» कांग्रेस की तरह झूठे वादे नहीं करती भाजपा, मोदी सरकार में पांचवीं अर्थव्यवस्था बना भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के जयसिंहपुर के चौगान में आयोजित जनसभा के दौरान एक पूर्व सैनिक के साथ जनता ने हमें पाकिस्तान के कब्जे वाला पीओके वापस चाहिए, के नारे लगाए। इस पर रक्षा मंत्री ने कहा कि धैर्य रखें, जल्द मिलेगा।

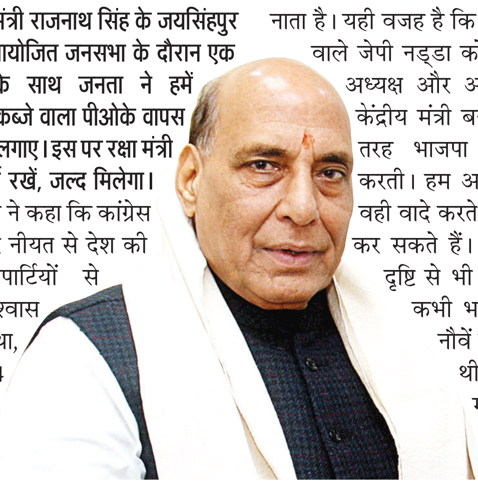

राजनाथ ने कहा कि कांग्रेस की नीति और नीयत से देश की राजनीतिक पार्टियों से लोगों का विश्वास उठ गया था, लेकिन 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद फिर से देशवासियों का भरोसा जगा है। हिमाचल वीर भूमि है और सेवानिवृत्ति के बाद भी अगर देश को जरूरत पड़ जाए तो हिमाचल के सैनिक पीछे नहीं हटेंगे। पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हिमाचल से गहरा नाता है। यही वजह है कि हिमाचल के रहने वाले जेपी नड्डा को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष और अनुराग ठाकुर को केंद्रीय मंत्री बनाया। कांग्रेस की तरह भाजपा झूठे वादे नहीं करती। हम अपने घोषणापत्र में वही वादे करते हैं, जिन्हें हम पूरा कर सकते हैं। देश का आर्थिक दृष्टि से भी विकास हुआ है। कभी भारत की आर्थिकी नौवें व दसवें स्थान पर थी, जबकि पीएम मोदी के नेतृत्व में अब हम पांचवें स्थान पर हैं।

राजस्थान कांग्रेस में रार जारी, अब गहलोत गुट पायलट पर हमलावर, कहा

अशोक गहलोत बनने में लगते हैं पचास साल

» सीनियर का सम्मान हो पीएम मोदी की तारीफ पर सचिन ने गहलोत पर साधा था निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस में रार जारी है। सचिन पायलट के हमले के बाद अब गहलोत कैंप ने मोर्चा खोल दिया है। गहलोत समर्थित मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सचिन पायलट पर निशाना साधा है। खाचरियावास ने कहा कि गहलोत बनने में 50 साल लगते हैं। सीनियर का सम्मान होना चाहिए।

खाद्य मंत्री खाचरियावास ने कहा कि सीएम गहलोत सियासत, उम्र और अनुभव में काफी वरिष्ठ है। राजनीति

में कौन कब क्या बोल रहा है। यह उसका निजी विचार है लेकिन सीनियर का सम्मान होना चाहिए। खाचरियावास सचिन पायलट के बयान पर पहली बार खुलकर बोले हैं। हाल में सचिन पायलट मंत्री खाचरियावास मिले थे। खाचरियावास के पाला बदलने के कयास लगाए जा रहे थे। लेकिन प्रताप सिंह खाचरियावास संकेत दिया है कि वह गहलोत कैंप के साथ ही रहेंगे। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने अशोक गहलोत की तारीफ की थी। इससे पायलट चिढ़ गए थे। पायलट ने कहा था कि पीएम मोदी ने जो तारीफ की है। बड़ी दिलचस्प है। पीएम मोदी ने संसद में भी गुलाम नबी आजाद की तारीफ की थी। उसके बाद क्या घटनाक्रम हुआ। वह हम सभी जानते हैं। गहलोत कैंप के नेताओं ने पीएम मोदी की तारीफ के मामले पर सचिन पायलट को जवाब दिया है। गहलोत कैंप के नेताओं का कहना है कि राजस्थान के भाजपा नेता पायलट की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। क्या यह दिलचस्प घटनाक्रम नहीं है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक जनसभा में कहा था सचिन पायलट साहब से थोड़ी चूक हो गई वरना राजस्थान में मध्य प्रदेश जैसे हालात हो जाते हैं।

गौतमपल्ली में योगी से मिलने की जिद को लेकर पेड़ पर चढ़ा युवक, हड़कंप

» गौतमपल्ली थाने की पुलिस ने चतुराई से दो घंटे बाद युवक को उतारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने की जिद पर अड़ा एक युवक लखनऊ में पेड़ पर चढ़ गया। गौतमपल्ली थाने के ठीक बगल में पेड़ पर चढ़े युवक को देख पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। पुलिसकर्मी उसे समझाबुझाकर किसी तरह नीचे उतारने की कोशिश करते रहे। करीब दो घंटे की जद्दोजहद के बाद पुलिस ने किसी तरह इस युवक को पेड़ से नीचे उतरने के लिए राजी कर लिया। युवक के पेड़ से उतरने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। पूछताछ में पता चला कि युवक का नाम कल्लू है और वह मुजफ्फरनगर का रहने वाला है।

फोटो: सुमित कुमार

शुक्रवार की सुबह-सुबह गौतमपल्ली थाने के पास स्थित पीपल के एक पेड़ पर कल्लू युवक चढ़ गया। उसके मुताबिक वह लखनऊ सीएम योगी से मिलने के इरादे से आया था। पेड़ पर चढ़े युवक के बारे में जानकारी होते ही मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने युवक को समझाना शुरू किया तो उसने ऊपर से कुछ कागज नीचे गिराए। इन कागजों पर लिखा था कि मैं यहां योगीजी के दर्शन करने आया हूं। जब तक योगी अपने कीमती समय में से मुझ गरीब से मिलने के लिए 10 मिनट का समय नहीं निकाल लेते तब तक भूखा रहकर भगवान भोलेनाथ का जाप करता रहूंगा। नीचे नहीं आऊंगा। इन कागजों में कल्लू ने सीएम योगी से मिलने की मांग की थी।

इस पर पुलिसकर्मियों ने उसे समझाते हुए आश्वासन दिया कि उसकी समस्याओं का समाधान कराया जाएगा लेकिन कल्लू करीब दो घंटे तक नीचे आने को राजी नहीं हुआ। उसका कहना था कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दर्शन करना चाहता है। उनका थोड़ा समय चाहता है। युवक की इस मांग पर नीचे मौजूद पुलिसकर्मी उसे आश्वासन देते हुए नीचे उतारने का प्रयास करते रहे। नीचे कुछ पुलिसवाले कंबल लेकर भी खड़े थे ताकि यदि कहीं कल्लू पेड़ पर से अचानक कूद पड़े तो उसे बचाया जा सके।

जिस जमीन को बनाया कूड़ेदान वहां बनेगा देश का पहला ऐतिहासिक चार साहिबजादे पार्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

35 हजार वर्ग फीट जमीन

रेलवे ने एमओयू पर किया हस्ताक्षर

लखनऊ। सिख समाज के 10वें व अंतिम गुरु गोविंद साहिब के चार साहिबजादों को समर्पित देश का पहला ऐतिहासिक चार साहिबजादे पार्क का निर्माण आलमबाग के रामनगर स्थित गुरुद्वारा आलमबाग के पास होगा। रेलवे की करीब 35 हजार वर्ग फीट जमीन पर बनने वाले पार्क को लेकर नगर निगम और रेलवे के मध्य एमओयू (समझौता पत्र) पर हस्ताक्षर किए गए। अभी इस जमीन पर कूड़ा डाला जाता है।

महापौर संयुक्ता भाटिया ने कहा नगर निगम ने गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों के बलिदान को नमन करते हुए उनकी शहादत को अगली पीढ़ी तक स्मरण कराने के उद्देश्य से साहिबजादा पार्क बनाने की घोषणा की गई थी। जमीन रेलवे की है और उस पर रेलवे का ही मालिकाना हक भी रहेगा। रेलवे के अधिकारियों से कई स्तर की वार्ता के बाद रेलवे और नगर निगम के मध्य यह सहमति बनी। इस पार्क का सौंदर्यीकरण सहित रख रखाव नगर निगम करेगा। समझौते के साथ ही यह लखनऊ में भारत का पहला साहिबजादा पार्क बनने का रास्ता साफ हो गया, जिसका शिलान्यास भी शीघ्र किया जाएगा। महापौर और रेलवे के डीआरएम सुरेश सप्रा के बीच एमओयू हुआ है। इस अवसर पर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, एडीआरएम जयंत कुमार चौधरी, नीरज शुक्ला के साथ ही अपर नगर आयुक्त अभय कुमार पांडेय, यमुना धर चौहान के साथ ही आलमबाग गुरुद्वारे के अध्यक्ष निर्मल सिंह, प्रबंधक मनप्रीत सिंह बढेरा, सुरेंद्र सिंह बक्शी समेत कई लोग मौजूद थे।

शहादत को जितना भी नमन किया जाए, वह कम ही : संयुक्ता भाटिया

इस अवसर पर महापौर ने रेलवे के अधिकारियों एवं सिख समाज से आए प्रतिनिधियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की प्रेरणा से आज इस ऐतिहासिक साहिबजादा पार्क के निर्माण का रास्ता साफ हो गया। इस पार्क के बन जाने के बाद हमारी अगली पीढ़ी भी चार साहिबजादों के अतुलनीय बलिदान को स्मरण कर पाएगी एवं प्रेरणा लेकर राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से युवा पीढ़ी में अपने देश से, अपने धर्म से, अपने वतन से प्रेम करने का भाव निर्माण हो सकेगा। महापौर ने बताया कि वीर साहिबजादों ने अपनी वीरता और अपने आदर्श से एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत कर दिया, जो आज भी हर किसी के लिए अनुकरणीय है। गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों ने इस देश की खातिर, अपने धर्म की खातिर हंसते-हंसते अपना बलिदान कर दिया, लेकिन उन्होंने अन्याय के आगे कभी भी झुकना स्वीकार नहीं किया। महापौर ने आगे कहा कि गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों की शहादत को जितना भी नमन किया जाए, वह कम ही होगा।

मुख्य सचिव ने स्ट्रेटेजिक वर्कशॉप में लिया भाग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन उत्तर प्रदेश के अंतर्गत आज स्थानीय निकाय निदेशालय में जीरो वेस्ट इवेंट को लेकर एक स्ट्रेटेजिक वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

वर्कशॉप के मुख्य अतिथि संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक, एसबीएम (अर्बन) रूपा मिश्र व मुख्य सचिव, नगर विकास विभाग दुर्गा शंकर मिश्र थे। स्थानीय निकाय निदेशालय में आयोजित इस वर्कशॉप में संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक, एसबीएम(अर्बन) रूपा मिश्र जी द्वारा सभी प्रतिभागियों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के दृष्टिगत गत वर्ष हुए स्वच्छ सर्वेक्षण के एप्रोच, कार्यप्रणाली व परिणाम पर परिचर्चा खबर लिखने तक जारी थी।

ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार तीन युवकों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बस्ती जिले में फोरलेन पर हरैया थाना इलाके के बिजरा गांव के पास स्थित ढाबे के सामने बेकाबू ट्रेलर ने बाइक को चपेट में ले लिया। जिस पर सवार तीन युवकों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, कप्तानगंज थाना इलाके के बरहपुर निवासी 24 वर्षीय अंकित मिश्रा और शिवाकांत मिश्रा पुत्र सुभाष चंद्र गांव के 20 वर्षीय दीपक पुत्र मेंही लाल और इसी थाना क्षेत्र के हसवर निवासी रिश्तेदार 18 वर्षीय रंजीत पुत्र मंगरू के साथ एक ही बाइक पर सवार होकर अयोध्या पंचकोसी परिक्रमा में शामिल होने जा रहे थे। रात करीब सवा नौ बजे हरैया थाने के बिजरा गांव के सामने स्थित गजानन ढाबा के पास पीछे से पहुंचे ट्रेलर ने बाइक को चपेट में ले लिया। जिससे बाइक पर सवार अंकित मिश्रा और रंजीत काफी दूर तक घिसटते सकते चले गए और मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। पीछे से दूसरी बाइक पर आ रहे इनके गांव के तीन अन्य लोगों ने आसपास के लोगों और पुलिस की मदद से गंभीर रूप से घायल दीपक को सीएचसी हरैया पहुंचाया। जहां दीपक ने भी दम तोड़ दिया। एसएचओ शैलेश सिंह ने बताया कि तीनों में से किसी ने हेलमेट नहीं लगाया था। हादसे की सूचना पाकर तीनों के परिवार में कोहराम मच गया। साथ जाने के लिए दूसरी बाइक से निकले लोगों का भी रो रोकर बुरा हाल है। माना जा रहा है कि ढाबे पर मुड़ने के चक्कर में बाइक ट्रेलर की चपेट में आ गई। घटना के बाद ट्रेलर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।